हिन्दी प्रादेशिक समाचार

आकाशवाणी चंडीगढ

(तिथि 01 नवम्बर 2025, समय 1305 (05 मिनट)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत की भूमि, सभ्यता और वैदिक परम्पराएं शाश्वत हैं उन्होंने कहा कि प्रत्येक दौर में जब भी नई चुनौतियां उभरी और नए सवाल खड़े हुए तो कोई न काई महान व्यक्तित्व सटीक समाधान के साथ सामने आया है। दिल्ली में कल अन्तरराष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में श्री मोदी ने कहा कि गुरुकुल परम्परा का संरक्षण आर्य समाज का सबसे महत्वपूर्ण योगदान है। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वामी दयानंद ने लडकियों की शिक्षा पर बल दिया।

स्वामी दयानन्द जी युगदृष्टा महापुरूष थे। वो जानते थे, चाहे व्यक्ति निर्माण हो या समाज निर्माण, उसके नेतृत्व में नारी शक्ति की बहुत बड़ी भूमिका होती है। इसलिए उन्होंने महिलाओं को घर की चौखट तक सीमित समझने वाली सोच को ही चुनौती दी। आर्य समाज के स्कूलों में लड़कियों को शिक्षा देने का अभियान शुरू किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अब अपने वैदिक आदर्शों और जीवन शैली को वैश्विक स्तर पर मजबूती से रख रहा है। यह कार्यक्रम महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती और समाज के लिये आर्य समाज की सेवा के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर ज्ञान ज्योति उत्सव के तहत आयोजित हुआ।

****

हरियाणा सरकार ने पूसा डीकम्पोजर वेटेबल पाउडर के 75 हज़ार पैकेट की खरीद को मंजूरी दी है जो किसानों को निःशुल्क उपलब्ध करवाए जाएंगे। कल चंडीगढ़ में हुई उच्चाधिकार प्राप्त क्रय समिति की बैठक के बाद कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि राज्य सरकार पराली एवं कृषि के अन्य अवशेषों का प्रबंधन करने के लिए "डीकम्पोजर वेटेबल पाउडर" का उपयोग करेगी , इससे जहां अवशेषों को जलाने से मुक्ति मिलेगी वहीं यह पाउडर भूमि की उपजाऊ शक्ति बढ़ाने में भी मददगार साबित होगा। उन्होंने बताया कि एक एकड़ में एक पैकेट के हिसाब से प्रथम चरण की खरीद से राज्य में 75,000 एकड़ धान-क्षेत्र में फसल अवशेषों का प्रबंधन किया जाएगा। श्री राणा ने बताया कि वर्तमान में इस तकनीक को प्रायोगिक आधार पर प्रयोग किया जा रहा है। इसके परिणामों के आकलन के आधार पर इस तकनीक को अगले वर्ष उसी अनुसार लागू

किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह "डीकम्पोजर वेटेबल पाउडर" पराली, सब्जियों के अवशेष और अन्य कृषि कचरे को कुछ ही दिनों में विघटित करके उच्च गुणवत्ता वाली खाद में बदल देता है। यह मिट्टी की उपजाऊ शक्ति बढ़ाता है और उसमें जैविक कार्बन की मात्रा में वृद्धि करता है। कृषि मंत्री ने यह भी बताया कि यह पाउडर एक पौधा संरक्षण एजेंट के रूप में भी काम करता है, जो मिट्टी में मौजूद कवक-जनित रोगों और कीटों को नियंत्रित करने में मदद करता है। बैठक में कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के अलावा प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

****

आज हरियाणा दिवस है। आज के दिन हरियाणा अस्तित्व में आया था। इससे पहले हरियाणा पंजाब का हिस्सा था। हरियाणा स्थापना दिवस पर आज से पंचकूला के यवनिका गार्डन में हरियाणा स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया जा रहा है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और राज्यपाल आशिम कुमार घोष ने आज सुबह तीन दिन तक चलने वाले इस स्थापना दिवस का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने प्रदर्शनी और सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन किया। पंचकूला के उपायुक्त सतपाल शर्मा ने बताया कि इस तीन दिवसीय समारोह के दौरान आयोजित प्रदर्शनी में हरियाणा की समृद्ध संस्कृति, पारंपरिक परिधान, लोक कला और हस्तशिल्प की आकर्षक झलक दिखाई गई है। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य नई पीढ़ी को राज्य की सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना और उसे सहेजने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने बताया कि यहां आने वाले आगंतुकों को प्रदर्शनी और सांस्कृतिक कार्यक्रम देख कर हरियाणा की सदियों पुरानी परंपराओं, लोक धरोहर और शिल्पकला का सजीव अनुभव प्राप्त होगा।

****

हरियाणा दिवस पर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। श्री गोयल ने कहा कि हरियाणा ने अपने गठन के बाद से विकास की नई ऊंचाइयां छुई हैं और आज राज्य आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि परंपरा, परिश्रम और प्रगतिशील विचारों से सशक्त हरियाणा आज नए आयाम स्थापित कर रहा है। कृषि, उद्योग, सेवा और खेल सहित हर क्षेत्र में हरियाणा की पहचान परिश्रम, साहस और उत्कृष्टता से है। उन्होंने इस ऐतिहासिक दिवस पर सभी नागरिकों से एकजुट होकर राज्य के सर्वांगीण विकास में योगदान देने और विकसित, समृद्ध और आत्मनिर्भर हरियाणा के संकल्प को और मजबूत करने का प्रण लेने की अपील की है।

****